OM-6 -2020 MAMMA FINAL_Page 1 and 2 10/06/2020 10:43 AM Page 7

संकल्प की शक्ति से खत्म हो सकती है नेगेटिविटी

इस समय मन में ऐसे बहुत सारे ब्लैक सर्कल हैं, जिन्हें व्हाइट बनाना है। उसके लिए हमें यही संकल्प करना है कि मेरा परिवार सुरक्षित है, मेरा देश सुरक्षित है, ये सृष्टि सुरक्षित है।

जब हम जीवन में दृढ़ संकल्प का इस्तेमाल करते हैं तो उसमें ध्यान रखना है कि कोई भी नेगेटिव शब्द न हो। इस समय हमारा दृढ़ संकल्प होगा - मैं पूर्णतः स्वस्थ हूँ। अगर किसी को छोटी-मोटी बीमारी है या वायरस से संक्रमित हैं तो उनको यही विचार बनाना है कि मेरा शरीर परफेक्ट और हेल्दी है। क्योंकि इस समय हम स्वस्थ रहना चाहते हैं। डर खत्म करना है तो हमें यह सोचना है कि मैं निडर हूँ, मुझमें आत्मविश्वास है। मन की स्थिति के लिए संकल्प करना है कि मैं खुश हूँ। मुझे अभी यही संकल्प करना है क्योंकि वातावरण में चिंता है। यह ब्लैक सर्कल है, जिसे खत्म करने का एक ही रास्ता है, उस पर व्हाइट सर्कल बनाना। एक ब्लैक सर्कल खत्म करने के लिए 5-10 व्हाइट सर्कल बनाने होंगे। अगर जीवन में तनाव है तो यह संकल्प करेंगे कि मैं शांत आत्मा हूँ। कमजोर महसूस कर रहे हैं तो संकल्प करेंगे कि मैं शक्तिशाली आत्मा हूँ। यदि खुद को किसी भी संक्रमण से बचाना है तो संकल्प करना है कि मैं पवित्र आत्मा हूँ। मेरे अन्दर नेगेटिविटी आ ही नहीं सकती है। शरीर के लिए संकल्प करेंगे कि मेरा शरीर निरोगी है, और ऐसा ही रहेगा। इस महामारी की वजह से बहुत से लोगों के काम पर असर पड़ा है। हर जगह यही बता रहे हैं कि जॉब, बिजनेस, कंपनी सब खतरे में हैं। ऐसे में यही प्रभावी विचार बनने लगता है। तो मुझे उससे बचने के लिए एक दृढ़ संकल्प बनाना होगा। मेरी नौकरी, कारोबार सुरक्षित है और सुरक्षित रहेगा। अब हम ऐसा संकल्प इसलिए कर रहे हैं, नहीं तो सारा दिन हम जो सोचते हैं वही बोलते हैं कि पता नहीं मेरा कल क्या

ब्र.कु. शिवानी,
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

होगा? इस समय मन में ऐसे बहुत सारे ब्लैक सर्कल हैं, जिन्हें व्हाइट बनाना है। उसके लिए हमें यही संकल्प करना है कि मेरा परिवार सुरक्षित है, मेरा देश सुरक्षित है, ये सृष्टि सुरक्षित है। इस समय जो वायरस आया हुआ है, उसका नाम नहीं लेना है। उसके लिए हमें यही संकल्प करना है कि वो जो चीज़ आई है, इस समय वो समाप्त हो चुकी है। नहीं तो हम सारा दिन यही सोच रहे हैं कि देश में कितने संक्रमित होंगे, कितने लोग मरेंगे। आंकड़े इकट्ठा करना हमारा काम नहीं है। आप अपने मन को कोई तारीख नहीं दें कि वो जून अंत में जायेगी या साल के अंत में। हमें यह संकल्प करना है कि वो जा चुकी है। क्योंकि संकल्प से सिद्धि मिलती है। सबसे यही संकल्प करवाना भी है।

जब हम कहते हैं कि मिलकर प्रार्थना करो तो हम उच्च ऊर्जा वाले विचार बनाते हैं। इस परिस्थिति में भी उच्च ऊर्जा वाले विचार बनाना है। मेरी प्रार्थना को प्रैक्टिकल में लाना है तो मुझे इसे प्रेयर और मेडिटेशन का हिस्सा बनाना पड़ेगा। मुझे हील करना है खुद को, पूरी सृष्टि को। क्योंकि संकल्प से सृष्टि बनती है। एक ही संकल्प कि वो खत्म हो चुका है। दो-चार महीने बाद भी कोई बात करे तो आप यही कहो 'वो तो खत्म हो चुका है'। हो सकता है लोग मज़ाक उड़ाएं, पर आपके ऐसा करने से लोग समझ जायेंगे कि हमें क्या करना है। हमें वातावरण की ऊर्जा को बदलना है। मन की एनर्जी वायरस पर सौ प्रतिशत असर करेगी। हम देखते हैं कि हमारे आस-पास जो पशु-पक्षी होते हैं उन पर हमारी सोच का कितना असर पड़ता है। तो क्या हमारी सोच का असर इस वायरस पर नहीं पड़ेगा? एक दो की सोच का नहीं। अगर सारे लोग मिलकर आह्वान करेंगे, अगर हम बार-बार ऐसा सोंचेगे तो सच में ऐसा हो जायेगा। हमें ऐसे संकल्प करने ही होंगे और इन्हें बार-बार दोहराना होगा। तभी ये सिद्ध होंगे।

काला प्यार, गोरा प्यार

कहते हैं कि प्यार ज़िन्दगी है, प्यार बंदगी है, प्यार बिना क्या जीना यह भी कोई ज़िन्दगी है। यह सुनने में बहुत अच्छा लगता है और प्यार को भगवान के साथ भी जोड़ा गया है। कहा जाता है कि परमात्मा प्यार का सागर है। देखा जाये तो कोई भी प्यार के बिना रह नहीं सकता फिर भी आज कई रिश्ते टूट रहे हैं, शादियां टूट रही हैं। कभी सोचा है आखिर क्यों हो रहा है यह सब? ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि आज का प्यार है काला प्यार।

काला प्यार क्या?

काला अक्षर में दो शब्द समाये हुए हैं, एक है कामना और दूसरा है लगाव। कामनाएं कई प्रकार की होती हैं। शारीरिक कामनाएं जैसे मैं अमिर, मैं ताकतवर, मैं बुद्धिवान, आदि-आदि और इससे सभी वैसा ही व्यवहार करें जैसे मैं चाहता हूँ। मानसिक कामनाएं हैं कि चाहे मैं कैसा भी रहूँ फिर भी लोग मुझे समझें और सहानुभूति रखें। फिर आती है लागत। जब किसी से लागत होती है तो वही अच्छा लगता है, उसी से प्यार और इज्जत चाहिए, वह सामने नहीं तो दिल नहीं लगता। यह सब है लागत की निशानियां जो हमें परेशान कर सकती हैं। अगर हमें वह सब उस इंसान से न मिले क्योंकि आखिर हम सभी इंसान ही तो हैं।

स्नेह की जरूरत

अब अगर हम काला प्यार से बचना चाहते हैं तो हमें प्यार के बदले मनुष्यों से स्नेह रखना चाहिए। स्नेह में तीन शब्द आते हैं जो है स अर्थात् सहयोग, ने अर्थात् नेष्ठा और ह अर्थात् हिम्मत। हम सभी आत्माओं की ताकत अब कम हो चुकी है इसलिए हमें स्नेह की ज़्यादा ज़रूरत है। हर कार्य में सहयोग दें,

नेष्ठा अर्थात् ध्यान रखें और आगे बढ़ाने की हिम्मत देते रहें। जितना हम देंगे उतना ही हमें वापिस भी मिलेगा।

गोरा प्यार क्या?

अब गोरा इस शब्द में दो शब्द आते हैं। वह है गो अर्थात् गोविन्द और रा अर्थात् राम। अब गोविन्द (श्री कृष्णा) और राम यह तो सिर्फ परमात्मा का प्यार ही बना सकता है। परमात्मा के लिए कहा जाता है कि वह प्यार का सागर है, सुख का सागर है, शांति का सागर है और हम आत्माओं में भी यह सब है परन्तु कम मात्रा में इसलिए हम इसे सारा समय दे नहीं पाते और हमारे रिश्तों में तनाव बनता है। अब आप कहेंगे की परमात्मा से प्यार कैसे करें? इसके लिए आपको सीखना होगा राजयोग मेडिटेशन जिससे आपको परमात्मा की पूरी पहचान मिलती है और आप परमात्मा से प्यार कर गोविन्द और राम जैसा बन सकते हैं।

ब्र.कु. रोहित, मुम्बई

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रोड (राज.) 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रूपये, तीन वर्ष 600 रूपये,
आजीवन 4500 रूपये। विदेश - 2500 रूपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या
बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शांतिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

कटक-ओडिशा। विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण करते हुए विधायक अरविंद दाली और जगन्नाथपुर सरपंच रस्मिता साहू। साथ हैं उपक्षेत्रीय सह-निर्देशिका ब्र.कु. सुलोचना।

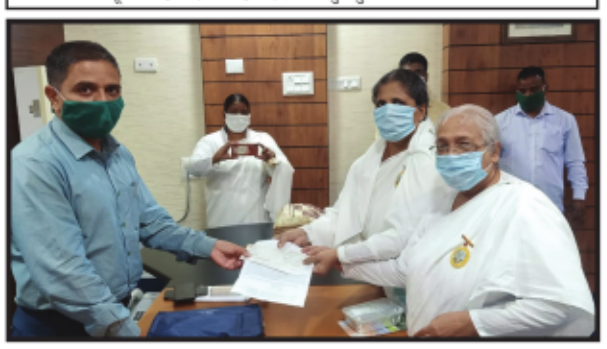

ब्रह्मपुर-गिरीरोड (ओडिशा)। लॉक डाउन के दौरान कोविड-19 के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में कलेक्टर विजय अमृत कुलंगी को चेक द्वारा आर्थिक अंशदान प्रदान करते हुए ब्र.कु. मंजू तथा ब्र.कु. माला।

झालावाड़-राज.। लॉकडाउन के तहत कोरोना योद्धाओं पुलिस सी.आई. लक्ष्मण सिंह, सी.ओ. विजयशंकर शर्मा एवं समस्त पुलिसकर्मियों को शॉल पहनाकर व फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित करने के पश्चात् चित्र में साथ हैं ब्र.कु. मीना।

गोंदिया-महा.। कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के द्वारा ग्राम रायपुर में इंटीग्रेटेड पैकिंग हाउस, कोल्ड स्टोरेज एवं किसान ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन करते हुए कृषि एवं ग्राम विकास की अध्यक्षा ब्र.कु. सरला दीदी, मेहसाणा, उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजू, माउण्ट आबू, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के संयोजक ब्र.कु. सुमंत, क्षेत्रीय संयोजक ब्र.कु. तृप्ति, सूरत वराछा, डॉ. रामखर्चे, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका रतनमाला, ब्र.कु. रुक्मणी, अकोला तथा अन्य अतिथिगण।

टूंडला-आँवलखेड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण करते हुए ग्राम प्रधान भावना चौहान, ब्र.कु. तनु तथा ब्र.कु. पूजा।

भुवनेश्वर-अलासपुर (ओडिशा)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा शिव संदेश भवन में सचिव और सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के सदस्यों सिनियर सिटीजन का आध्यात्मिक चर्चा के कार्यक्रम में फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. मंजू, माउण्ट आबू। साथ हैं ब्र.कु. तपस्विनी।